पाठ - 1
वह चिड़िया है जो

कठिन शब्द

1. रुचि
2. उँडेलकर
3. अन्न
4. खातिर
5. विजन
6. मुँह
7. जुंडी
8. संतोषी
9. प्यार
10. निर्जन

PAGE NO.:
DATE: / /200

पाठ 1

शब्दार्थ

1. रुचि से - चाव से
2. जुंडी - ज्वार
3. रस से - स्वाद लेकर
4. संतोषी - संतोष करने वाली
5. कंठ - गला
6. बूढ़ा - पुराना
7. रस उड़ेल कर - मधुर स्वर में
8. जल का मोती - जल की बूँद
9. गरबीली - गर्व करने वाली
10. दिल टटोल कर - दिल की बात जानकर

पाठ - 1

पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या

1. वह चिड़िया है जो - - - - अन्न से प्यार है।

प्रसंग — प्रस्तुत पद्यांश केदारनाथ अग्रवाल द्वारा रचित कविता 'वह चिड़िया जो' से लिया गया है। इसमें कवि ने अपने अंदर की कल्पित चिड़िया का वर्णन करते हुए अपने संतोषी स्वभाव को स्पष्ट किया है।

व्याख्या — कवि के अंदर की कल्पित चिड़िया कहती है कि मैं नीले पंखोंवाली चिड़िया हूँ जिसे ज्वार के दाने बहुत पसंद है। मुझे इन्हें खाने से बहुत स्वाद मिलता है। मैं नीले पंखो वाली अपने भोजन से संतुष्ट चिड़िया हूँ। इसके माध्यम से कवि ने अपने संतोषी स्वभाव को प्रकट किया है।

2. वह चिड़िया जो - - - - मुझे विजन से बहुत प्यार है।

प्रसंग — प्रस्तुत पद्यांश केदारनाथ अग्रवाल द्वारा रचित कविता 'वह चिड़िया जो' से लिया गया है। इसमें कवि ने चिड़िया के माध्यम से अपने जंगल प्रेम को प्रकट करते हुए अपने स्वभाव की मधुरता स्पष्ट की है।

व्याख्या — कवि के भीतर की कल्पित चिड़िया कहती है कि मैं पुराने जंगल के लिए खुले गले से मधुर-गीत गाती हूँ। मैं उस पुराने जंगल की मुँहबोली बेटी के समान नीले पंखोवाली छोटी सी चिड़िया हूँ। मुझे जंगल से बहुत प्यार है।

उ. वह चिड़िया जो . . . . . मुझे नदी से बहुत प्यार है।

प्रसंग प्रस्तुत पदयांश केदारनाथ अग्रवाल द्वारा रचित कविता 'वह चिड़िया है जो' से लिया गया है। इसमें कवि ने अपने अंदर की कल्पित चिड़िया के माध्यम से अपने साहस और स्वाभिमान को प्रकट किया है।

व्याख्या प्रस्तुत पंक्तियों में कवि के भीतर कल्पित चिड़िया गर्व से कहती है कि वह उफनती नदी का जल ऐसे ही नही पीती बल्कि वह पूरे साहस के साथ नदी के हृदय की बात को जानकर सीधे नदी में अपनी चोंच में पानी की बूँदरूपी मोती लेकर पीती है। वह छोटी स्वाभिमानी चिड़िया है जो बिना नदी के आज्ञा के एक बूँद पानी भी नही लेती है। उस चिड़िया को नदी से बहुत प्यार है

DATE: / /200

पाठ-1

प्रश्नोत्तर

प्र०1 तुम्हें कविता का कोई और शीर्षक देना हो तो क्या शीर्षक देना चाहोगे? उपयुक्त शीर्षक सोचकर लिखो।

उत्तर नीले परवों वाली चिड़िया

प्र०2 इस कविता के आधार पर बताओ कि चिड़िया को किन-किन चीजों से प्यार है।

उत्तर चिड़िया को अन्न से, जंगल से और नदी से बहुत प्यार है।

प्र०3 आशय स्पष्ट करो—

क) रस उड़ेलकर गा लेती है

उत्तर इसका आशय यह है कि चिड़िया के गाने की आवाज अत्यन्त मधुर है। वह अपने मीठे स्वर से नीरस जंगल में भी आनंद की अनुभूति करा रही है।

ख) चढ़ी नदी का दिल टटोलकर
जल का मोती ले जाती है।

उत्तर इसका आशय है कि चिड़िया उफनती हुई नदी की इच्छा जानकर अपनी चोंच में मोती जैसे साफ जल की बूँदें ले जाती है। क्योंकि वह स्वाभिमानी है।

PAGE NO.:
DATE: / /200

पाठ - 2
बचपन

कठिन शब्द

1 कुर्ते

2. शताब्दी

3. चॉकलेटी

4. फ्रॉक

5 स्कर्ट

6 फ्रॉकों

7. परिवर्तन

8. शाश्वत

9 ट्यूनिक

10 संदिग्ध

11 पैंटीज

12 कन्फेक्शनरी

पाठ - 2

शब्दार्थ

1 उम्र - आयु

2 सयाना - बड़ा

3 पोशाक - वेशभूषा

4 फ्रिल - आलर

5 इतवार - रविवार

6 फर्क - अंतर

7 सेहत - स्वास्थ्य

8 गंध - महक

9 दूरी - अंतर

10 स्टॉक - भंडार

11 रफ्तार - गति

12 मौका - अवसर

PAGE NO.:
DATE: / /200

पाठ - 2

प्रश्नोत्तर

प्र०1 लेखिका बचपन में इतवार को सुबह क्या-क्या काम करती थी?

उत्तर लेखिका बचपन में इतवार को सुबह अपने मोजे धोने और अपने जूतों की पॉलिश का काम करती थी।

प्र०2 "तुम्हें बताऊँगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है" — इस बात के लिए लेखिका क्या क्या उदाहरण देती है?

उत्तर लेखिका बताती है कि उनके समय में घरों में ग्रामोफोन होते थे, रेडियो और टेलीविजन नहीं थे। उनके समय में मिलने वाली कुल्फी अब आइसक्रीम हो गई है। कचौड़ी-समोसे, पेटीज में बदल गए हैं। शक्तूत, फालसे और खसखस के शरबतों की जगह अब कोक और पेप्सी आ गई है। पहले कोक की जगह लेमनेड और विमटो चलती थी।

प्र०3 पाठ से पता करके लिखो कि लेखिका को चश्मा क्यों लगाना पड़ा? चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई उन्हें क्या कहकर चिढ़ाते थे?

उत्तर लेखिका को चश्मा इसलिए लगाना पड़ा क्योंकि वे रात में टेबल लैंप के सामने बैठकर काम करती थी। चश्मा लगाने पर लेखिका का चेहरा अजीब सा लगता था इसीलिए उसके चचेरे भाई उन्हें चिढ़ाते हुए कहते—

आँख पर चश्मा लगाया ताकि सूझे दूर की
यह नहीं लड़की को मालूम सूरत बनी लंगूर की।

प्र०५ लेखिका अपने बचपन में कौन - कौनसी चीजें मजा ले-लेकर खाती थी? उनमें से प्रमुख फलों के नाम लिखो।

उत्तर लेखिका बचपन में चॉकलेट और कई तरह के फल चने ज़ोर गरम और चेस्टनट मजा ले लेकर खाती थी। शिमला के काफल, रसभरी, कसलम आदि फल उन्हें लगते थे।

Date
2/7/2020

पाठ - 3 नादान दोस्त

कठिन शब्द :

1. कार्निस
2. जिज्ञासा
3. तकलीफ़
4. घोंसले
5. प्रस्ताव
6. स्वीकृत
7. छड़ियाँ
8. स्टूल
9. मुश्किल
10. हिफ़ाज़त

पाठ 3

शब्दार्थ

1. कार्निस - दीवार के ऊपर का बड़ा भाग
2. पेचीदा - मुश्किल
3. जिज्ञासा - जानने की इच्छा
4. अधीर - उतावला
5. प्रस्ताव - सुझाव
6. आँख बचाकर - नजरों को बचाकर
7. उधेड़बुन - सोच-विचार
8. हिकमत - उपाय
9. चीथड़े - पुराने कपड़े
10. चेहरे का रंग उड़ जाना - घबरा जाना
11. भीगी बिल्ली बनना - डरा हुआ

Date
:4/7/20

पाठ - 3 नादान दोस्त

लघु प्रश्नोत्तर

प्र०1 अंडो के बारे में केशव और श्यामा के मन में किस तरह के सवाल उठते थे ?

उत्तर अंडों के बारे में केशव और श्यामा के मन में तरह-तरह के सवाल उठते थे। अंडे कैसे होंगे ? कितने बड़े होंगे ? किस रंग के होंगे ? उनमें से बच्चे किस तरह निकल आएंगे ?

प्र०2 वे आपस में सवाल - जवाब करके दिल को तसल्ली क्यों दे दिया करते थे ?

उत्तर वे अंडों के बारे में जानना चाहते थे। लेकिन कोई जवाब देनेवाला नहीथा तो आपस में सवाल - जवाब करके दिल को तसल्ली दे दिया करते थे।

प्र०3 केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दाना-पानी मँगाकर कॉर्निस पर क्यों रखे थे ?

उत्तर अंडों को बचाने के लिए केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दाना - पानी मँगाकर कॉर्निस पर रखे थे।

प्र०4 केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडों की रक्षा की या नादानी?

उत्तर चिड़िया अपने अंडो की रक्षा स्वयं करती थी।

पाठ 3

दीर्घ प्रश्नोत्तर :

प्र. केशव और श्यामा ने अंडों के बारे में क्या-क्या अनुमान लगाए? यदि उस जगह तुम होते तो क्या अनुमान लगाते और क्या करते?

उत्तर केशव और श्यामा ने अंडों के बारे में तरह-तरह के अनुमान लगाए। अंडे कितने बड़े होंगे? किस रंग के होंगे? कितने होंगे? उनमें से बच्चे किस तरह निकल कर बाहर आएँगे? यदि उस जगह हम होते तो हमारे माता-पिता से पूछकर सही बात का पता लगाते।

प्र.2 माँ के सोते ही समय केशव और श्यामा दोपहर में बाहर क्यों निकल आए? माँ के पूछने पर भी दोनों में से किसी ने किवाड़ खोलकर दोपहर में बाहर निकलने का कारण क्यों नहीं बताया?

उत्तर माँ के सोते ही केशव और श्यामा दोपहर में चिड़िया के अंडों के लिए टोकरी और दाना-पानी रखने बाहर निकल आए पिटाई के डर से माँ के पूछने पर भी दोनों में से किसी ने किवाड़ खोलकर दोपहर में बाहर निकलने का कारण नहीं बताया

प्र.3 प्रेमचंद ने इस कहानी का नाम 'नादान दोस्त' रखा। तुम इसे क्या शीर्षक देना चाहोगे?

उत्तर हम इस कहानी का शीर्षक 'नादान बचपन' देना चाहेंगे।

भाषा की बात अभ्यास कार्य

* गुणवाचक विशेषण लिखो और उनसे वाक्य बनाओ-

1. सुंदर माला - मोहन के गले में सुंदर माला थी।
2. लाल गुलाल - पूजा के लिए लाल गुलाब का हार बना दो।
3. गरीब लड़की - लड़की ठंड से काँप रही थी।
4. दयालु सेठ - सोहन की मदद एक दयालु सेठ ने की।

* क्रिया विशेषणों का वाक्यों में प्रयोग करो -

1. झुंझलाकर - अमर ने गुस्से में खिलौने झुंझला कर फेंक दिए
2. लगाकर - माँ ने मुझे मोतीचूर के लड्डू बनाकर दिए
3. घबराकर - राज अक्सर घबराकर झूठ बोल देता है।
4. टिकाकर - लड़के ने अपने ठेले को दीवार-से टिकाकर रखा
5. गिड़गिड़ाकर - मंदिर के पास एक भिखारी गिड़गिड़ा कर भीख माँग रहा था।